भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

अवध प्रान्त

अवध विहान

डिजिटल पत्रिका

अंक—विंशति पुष्प, अगस्त 2023

अवध—विहान

संरक्षक

मा. यतीन्द्र शर्मा जी
अ.भा. सहसंगठन मंत्री
विद्या भारती

मार्गदर्शक मण्डल

मा. हेमचन्द्र जी
क्षेत्रीय संगठन मंत्री
विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र

मा. हरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव जी
अध्यक्ष
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. डॉ. महेन्द्र कुमार जी
मंत्री
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. रामजी सिंह जी
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. सुरेश कुमार सिंह जी
सम्भाग निरीक्षक (सीतापुर सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

मा. अवरीश कुमार जी
सम्भाग निरीक्षक (साकेत सम्भाग)
भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
प्रान्त प्रचार प्रमुख, भारतीय शिक्षा समिति उ.प्र.

सहसम्पादक

श्रीमती निधि द्विवेदी
प्रधानाचार्य
स.बा.वि.म..इ.का., सरस्वती नगर
रायबरेली

श्रीमती शिप्रा बाजपेई
प्रधानाचार्य
स.ध.स.वि.बा.इ.का.
लखीमपुर–खीरी

विशेष सहयोग

जितेन्द्र पाण्डेय
प्रान्त सोशल मीडिया प्रमुख
अवध प्रान्त

प्रदेश निरीक्षक की कलम से –

कवि श्रेष्ठ शिवमंगल सिंह 'सुमन' की कविता स्वतंत्रता की भावनाओं की सहज अभिव्यक्ति लगती है जब 'उन्मुक्त गगन का पंछी ' स्वर्ण पिंजर को अस्वीकार कर देता है–

'हम बहता जल पीने वाले,
मर जाएंगे भूखे प्यासे।
कहीं भली है कटुक निबौरी,
कनक कटोरी की मैदा से।'

भारतीय स्वतंत्रता के 76 वर्षों की यात्रा हमारे युवा पीढ़ी को उन्हें जीवन मूल्यों से परिचित कराती है जिनके आधार पर घोर अत्याचार और दमन के बीच भी हमारे पूर्वजों ने स्वदेश, स्वधर्म, स्वाभिमान और स्वतंत्रता की भावनाओं की ज्वाला को एक पल के लिए बुझाने नहीं दिया। राजकुमारी मैना, बालक खुदीराम बोस, मदन लाल धींगरा, गुरु गोविंद सिंह के सपूत शेरों की गाथाएं, बंदा बैरागी की अदम्य वीरता से लेकर स्वतंत्रता के उषा काल में भारत माता के कारूणिक विभाजन की दहकती ज्वाला में बलिदान होने वाले, मां बहनों और बच्चों को सुरक्षित आश्रय देने की प्रयत्न में बलिदान होने वाले लाखों भरत पुत्र–पुत्रियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन का पावन पर्व है हमारा स्वतंत्रता दिवस। वह उस बलिदान की पीड़ा की अनुभूति नहीं कर सकते जिनके लिए स्वतंत्रता संघर्ष 'नारा' था जिनकी दृष्टि तथाकथित गिने चुने आंदोलनों और गिने–चुने राजनीतिक कैदखानों तक ही पहुंचती है, जो ब्रिटिश जेल में कोल्हू चलाने वालों से नहीं जुड़ पाते, जो 'सत्ता हस्तांतरण' में भागीदारी करने वालों तक ही सोच पाते हैं उनके लिए सर्वस्व बलिदान और आत्मोत्सर्ग की कहानियां मात्र रह जाती हैं, किंतु खिले हुए यौवन पुष्प का मातृभूमि की वेदी पर समर्पण की जीवन्त गाथाएं हमारे युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता का मूल्य और रक्षाबंधन की सार्थकता की अनुभूत करा सकती हैं।

इस माह सावन के झूलों के संदेश हमारी सरस्वती की फुलवारी में दायित्व बोध का उद्घोष भर दें, हमारे भैया–बहन विजेता वृद्धि और 'रक्षक' के कर्तव्य बोध को आत्मसात करें, आचार्य कुल के कुशल शिल्पी सर्वोत्कृष्ट सृजन में समर्थ हों ऐसी शुभकामनाएं

रामजी सिंह
प्रदेश निरीक्षक
भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0

सम्पादक की कलम से –

देश–दुनिया के इतिहास में 14 अगस्त की तारीख का अहम स्थान है। भारत के इतिहास में आज का दिन 'पार्टीशन हॉर्ररस रिमेम्बरेंस डे' यानि 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। दरअसल अखंड भारत के आजादी के इतिहास में 14 अगस्त की तारीख आंसुओं से लिखी गई है। यही वह तारीख है जब देश का विभाजन हुआ। 14 अगस्त, 1947 को पाकिस्तान और 15 अगस्त, 1947 को भारत को पृथक राष्ट्र घोषित कर दिया गया। इस विभाजन में न केवल भारतीय उपमहाद्वीप के दो टुकड़े किए गए बल्कि बंगाल का भी विभाजन किया गया। बंगाल के पूर्वी हिस्से को भारत से अलग कर पूर्वी पाकिस्तान बना दिया गया। यह 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश बना। कहने को तो इसे देश का बंटवारा कहा गया, लेकिन यह दिलों का, परिवारों का, रिश्तों का और भावनाओं का बंटवारा था और यह बटवारा समय के साथ–साथ विकराल रूप लेता गया और आज की स्थिति बहुत ही भयानक हो गयी है। वह आज भारत को शत्रु के रूप में देख रहे है जो पहले हमारे भाई बन्धु थे। अतः हम सबको मिलकर भारत की अखण्डता और सम्प्रभुता को बनाये रखने के लिए समरसत्य बनाकर रहें और अपने बन्धु–बन्धवो को एक साथ रखे तभी हम भारत को विश्व गुरू बना सकते हैं।

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

प्रधान सम्पादक

पं0 दीनदयाल उपाध्याय स.वि.म.इ.का.

लखीमपुर–खीरी

लखनऊ संकुल

अंगवस्त्र देकर सम्मान किया गया

सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर इन्दिरा नगर लखनऊ में संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख श्री उत्तम कुमार मिश्र (सहायक परीक्षा विभाग भारतीय शिक्षा समिति) का सम्मान ,विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री गोपाल राम जी द्वारा अँगवस्त्र प्रदान कर किया गया। श्री उत्तम कुमार जी ने अपना उदबोधन दिया। इस अवसर सभी आचार्य एवं आचार्या बहने उपस्थित रही।

प्रान्त संयोजको की बैठक सम्पन्न

भारतीय शिक्षा समिति सरस्वती कुन्ज निरालानगर, लखनऊ में प्रान्त संयोजकों की बैठक सम्पन्न हुई। प्रथम सत्र में प्रान्त संयोजकों को विद्या भारती पूर्वी उ0प्र0 क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा0 हेमचन्द्र जी ने विषय संरचना के विषय में बताया। द्वितीय व तृतीय सत्र में प्रदेश निरीक्षक भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0 मा0 रामजी सिंह व संभाग निरीक्षक द्वय मा0 सुरेश कुमार सिंह व मा0 अवरीश कुमार ने विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन किया।

कारगिल विजय दिवस व छात्र संसद शपथ ग्रहण कार्यक्रम मनाया गया

सरस्वती विद्या मन्दिर इन्दिरा नगर लखनऊ में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता पूर्वी ज़ोन की पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती अपर्णा कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही तथा साथ में विद्यालय के प्रबंधक श्री मदन मोहन गुप्त जी एवं प्रधानाचार्य श्री गोपाल राम जी भी उपस्थित रहे। अतिथि महोदया ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का सुभारम्भ किया,इस अवसर पर छात्र संसद,कन्या भारती,शिशु भारती के सदस्यों का शपथ समारोह कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ।माननीया अपर्णा जी द्वारा भैया बहनों को आशीर्वचन के रुप में यह बताया की हमेशा गुरु बड़े जनो का सम्मान करना चाहिये,हार से निराश नही होना चाहिये दोबारा प्रयास करना चाहिए।इसके अतिरिक्त प्रबंधक जी तथा प्रधानाचार्य जी का उदबोधन भी प्राप्त हुआ। सभी आचार्य व आचार्य बहनों ने तथा भैया बहनो ने सहभाग किया।

अयोध्या संकुल

छात्रवृत्ति वितरण की गयी

विद्या भारती विद्यालय सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नानकपुरा साकेत अयोध्या में प्राण फाउंडेशन के द्वारा मेधावी छात्र–छात्रा छात्रवृत्ति वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आदरणीय बृजेंद्र बहादुर सिंह (पूर्व छात्र एवं नेता नगर निगम), सदन विपिन पांडे (प्रमुख पात्र फाउंडेशन) तथा श्री विवेक श्रीवास्तव (सदस्य प्राण फाउंडेशन) व प्रधानाचार्य श्री सुरेश चंद्र पांडे ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर फाउंडेशन श्री विपिन पाण्डेय ने फाउंडेशन के बारे में जानकारी दी और बताया कि जिन भैया–बहनों को छात्रवृत्ति मिली है उनको निरन्तर प्रगति करने पर उनका सहयोग फाउंडेशन हमेशा करती रहेगी। इस फाउंडेशन के निदेशक डॉ0 विवेक पाण्डेय जापान में वैज्ञानिक हैं और य फाउंडेशन आपके द्वारा ही संचालित होती है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के 5 छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई । इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्य एवं आचार्या बहने उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के अन्त में प्रधानाचार्य जी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संस्कृति बोध परियोजना की बैठक सम्पन्न

शिव लाल शर्मा सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर तुलसी नगर अयोध्या में संस्कृति बोध परियोजना अभियान की बैठक आयोजित हुई। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में श्री द्वारिका प्रसाद पाण्डेय (अवकाश प्राप्त परियोजना अधिकारी एवं रामलला नगर के सह नगर संघ चालक) उपस्थित थे। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री ओम प्रकाश तिवारी जी ने अतिथियों का परिचय कराया और संस्कृति बोध परियोजना के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर मातृ भारती,विद्वत परिषद, पूर्व छात्र, अभिभावक,समिति के बन्धु, सन्त– महन्त, पोषक ग्राम,आदि के प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसमें विद्यालय के सभी आचार्य/आचार्या– श्रीमती ममता पाण्डेय, श्रीमती प्रियंका त्रिपाठी, श्री विनीत कुमार मिश्र, प्रिया जी, सौम्या जी, कविता जी, नेहा पाण्डेय, सुधीर जी, अर्जुन जी, श्रीमती नेहा पाण्डेय, श्रीमती शशि बाला तिवारी,सर्वानंद जी आदि ने अपना सराहनीय योगदान दिया।

सीतापुर संकुल

वैज्ञानिक प्रफुल्लचन्द्र राय याद किये गये

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां, सीतापुर के विद्यालय में विज्ञान सप्ताह के तीसरे दिवस पर देश के महान वैज्ञानिक प्रफुल्ल चंद्र राय का जीवन परिचय एवं देश हित में किए गए उनके आविष्कार एवं खोजों के बारे में विद्यालय के आचार्य श्रीमान अमित कुमार जी के द्वारा भैया बहनों को विस्तार से बताया एवं समझाया गया। आज वंदना सभा मेंकक्षा द्वितीय में पढ़ने वाले भैया अविरल सिंह का जन्मदिन भी मनाया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी द्वारा भैया को जन्मदिवस प्रमाण पत्र भी प्रदान कर उनके यशस्वी एवं दीर्घायुजीवन की मंगल कामना के साथ साथ जन्म दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की गई।

बाल गंगाधर तिलक की जयन्ती मनायी गयी

सरस्वती शिशु मंदिर पुरवारी टोला बिसवां सीतापुर के विद्यालय में मां शारदे की वंदना के पश्चात बाल गंगाधर तिलक जी की 167 वी जयंती का कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में भैया बहनों ने अपने विचार एवं बोध कथाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्रीमान महेश कुमार मिश्र जी रहे ।कार्यक्रम का संचालन शिशुभारती प्रमुख आचार्य श्रीमान पुष्पेंद्र तिवारी जी ने किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान रामानुज चौरसिया जी द्वारा तिलक जी के द्वारा किए गये देशहित के कार्यों एवं योगदान को विस्तार पूर्वक बताया गया।साथ में भैया बहनों को बाल गंगाधर तिलक की तरह साहसी, निर्भीक एवं सत्यवादी बनने का संकल्प ले। कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ संपन्न हुआ।

स्वास्थ्य परीक्षण व वृक्षारोपण किया गया

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर पुरवारी टोला बिसवां सीतापुर में इनरव्हील क्लब के तत्वावधान में स्वास्थ्य परीक्षण और काउंसलिंग कराई गई स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सा अधीक्षक माननीय डॉ अमित कपूर द्वारा और काउंसलिंग डॉक्टर माया वर्मा जी द्वारा संपन्न हुई। कार्यक्रम में माननीय रेनू मेहरोत्रा जी नगर प्रचारक, माननीय रमाकांत जी, श्रीमती सीमा रस्तोगी, श्रीमती मीनाक्षी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में डॉ माया वर्मा जी के द्वारा छात्राओं को उनके स्वास्थ और माहवारी के विषय में जानकारी प्रदान की गई। माननीय रेनू मल्होत्रा जी ने छात्राओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती सीमा रस्तोगी जी ने भी छात्राओं से उनके स्वास्थ्य माहवारी के विषय पर चर्चा की। माननीय प्रधानाचार्य श्रीमती प्रतिभा श्रीवास्तव जी ने कहा कि बालिकाओं को कमजोर नहीं मजबूत होना चाहिए। कार्यक्रम में नगर प्रचारक माननीय रमाकांत जी के जन्म दिवस के अवसर पर उनके द्वारा वृक्षारोपण किया गया, तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों विद्यालय परिवार तथा छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ0 माया वर्मा द्वारा छात्राओं को कैल्शियम आयरन की टेबलेट वितरित किए गए।

डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम का निर्माण दिवस व नेत्र परीक्षण कार्यक्रम मनाया गया

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर बिसवां में डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का निर्वाण दिवस मनाया गया इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी बालिकाओं ने कलाम जी के जीवन एवं विज्ञान में उनका योगदान से संबंधित निबंध प्रतियोगिता में अपने अपने लेख लिखे। सीतापुर आंख अस्पताल की डॉक्टर आकांक्षा जी एवं अमृत अवस्थी जी के द्वारा सभी बालिकाओं का लेंस के द्वारा नेत्र परीक्षण किया गया एवं कुछ बालिकाओं को चश्मे के नंबर भी दिए गए एवं आवश्यकतानुसार गाइडलाइन डॉक्टर के द्वारा प्रदान की गई, एवं आईफ्लू रोग से बचाव के बारे में सभी बालिकाओं को विस्तार से समझाया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में विद्यालय की व्यवस्थापिका माननीय नैना गुप्ता जी एवं सह व्यवस्थापिका माननीय किरन सिंहल जी उपस्थित रहीं।

गोण्डा संकुल

विद्या भारती के स्तम्भ–श्री लज्जाराम तोमर

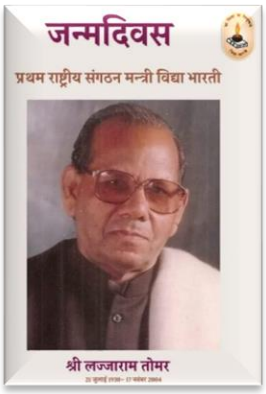

भारत में लाखों सरकारी एवं निजी विद्यालय हैं; पर शासकीय सहायता के बिना स्थानीय हिन्दू जनता के सहयोग एवं विश्वास के बल पर काम करने वाली संस्था 'विद्या भारती' सबसे बड़ी शिक्षा संस्था है। इसे देशव्यापी बनाने में जिनका बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा, वे थे 21 जुलाई, 1930 को गांव वघपुरा (मुरैना, म.प्र.) में जन्मे श्री लज्जाराम तोमर। श्री लज्जाराम जी के परिवार की उस क्षेत्र में अत्यधिक प्रतिष्ठा थी। मेधावी छात्र होने के कारण सभी परीक्षाएं उच्च श्रेणी में उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने 1957 में एम.ए तथा बी.एड किया। उनकी अधिकांश शिक्षा आगरा में हुई। 1945 में वे संघ के सम्पर्क में आये। उस समय उ.प्र. के प्रांत प्रचारक थे श्री भाउराव देवरस। अपनी पारखी दृष्टि से वे लोगों को तुरंत पहचान जाते थे। लज्जाराम जी पर भी उनकी दृष्टि थी। अब तक वे आगरा में एक इंटर कालिज में प्राध्यापक हो चुके थे। उनकी गृहस्थी भी भली प्रकार चल रही थी। श्री लज्जाराम जी इंटर कालिज में और उच्च पद पर पहुंच सकते थे; पर भाउराव के आग्रह पर वे सरकारी नौकरी छोड़कर सरस्वती शिशु मंदिर योजना में आ गये। यहां शिक्षा संबंधी उनकी कल्पनाओं के पूरा होने के भरपूर अवसर थे। उन्होंने अनेक नये प्रयोग किये, जिसकी ओर विद्या भारती के साथ ही अन्य सरकारी व निजी विद्यालयों के प्राचार्य तथा प्रबंधक भी आकृष्ट हुए। आपातकाल के विरोध में उन्होंने जेल यात्रा भी की। इन्हीं दिनों उनके एकमात्र पुत्र के देहांत से उनका मन विचलित हो गया। वे छात्र जीवन से ही योग, प्राणायाम, ध्यान और साधना करते थे। अतः इस मानसिक उथल–पुथल में वे संन्यास लेने पर विचार करने लगे; पर भाउराव देवरस उनकी अन्तर्निहित क्षमताओं को जानते थे। उन्होंने उनके विचारों की दिशा बदल कर उसे समाजोन्मुख कर दिया। उनके आग्रह पर लज्जाराम जी ने संन्यास के बदले अपना शेष जीवन शिक्षा विस्तार के लिए समर्पित कर दिया। उस समय तक पूरे देश में सरस्वती शिशु मंदिर के नाम से हजारों विद्यालय खुल चुके थे; पर उनका कोई राष्ट्रीय संजाल नहीं था। 1979 में सब विद्यालयों को एक सूत्र में पिरोने के लिए 'विद्या भारती' का गठन किया गया और लज्जाराम जी को उसका राष्ट्रीय संगठन मंत्री बनाया गया। उन्हें पढ़ने और पढ़ाने का व्यापक अनुभव तो था ही। इस दायित्व के बाद पूरे देश में उनका प्रवास होने लगा। जिन प्रदेशों में विद्या भारती का काम नहीं था, उनके प्रवास से वहां भी इस संस्था ने जड़ें जमा लीं। विद्या भारती की प्रगति को देखकर विदेश के लोग भी इस ओर आकृष्ट हुए। अतः उन्हें अनेक अंतरराष्ट्रीय गोष्ठियों में आमन्त्रित किया गया। उन्होंने भारतीय चिंतन के आधार पर अनेक पुस्तकें भी लिखीं, जिनमें भारतीय शिक्षा के मूल तत्व, प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति, विद्या भारती की चिंतन दिशा, नैतिक शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार आदि प्रमुख हैं। उनके कार्यों से प्रभावित होकर उन्हें कई संस्थाओं ने सम्मानित किया। कुरुक्षेत्र के गीता विद्यालय परिसर में उन्होंने संस्कृति संग्रहालय की स्थापना कराई; पर इसी बीच वे कैंसर से पीड़ित हो गये। समुचित चिकित्सा के बाद भी उनके स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ। 17 नवम्बर, 2004 को विद्या भारती के निराला नगर, लखनऊ स्थित परिसर में उनका शरीरांत हुआ। उनकी अंतिम इच्छानुसार उनका दाह संस्कार उनके पैतृक गांव में ही किया गया।

जितेन्द्र पाण्डेय

सोशल मीडिया प्रमुख

अवध प्रान्त

विद्या भारती योजना एक अभिनव प्रयोगशाला

शहर के स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मालवीय नगर में छात्र संसद शपथ ग्रहण समारोह शनिवार को संपन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने बतौर मुख्य अतिथि एवं आशीष मिश्रा रिसोर्स पर्सन चाइल्ड केयर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचकर दीप प्रज्वलन करने के साथ किया । शपथ ग्रहण कराने के पश्चात मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज ने कहां कि विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालय एक अभिनव प्रयोगशाला है, जहां छात्र–छात्राएं हंसते खेलते हुए अक्षर ज्ञान, अंक ज्ञान के साथ ही अपने जीवन निर्माण की कलाओं को सीखते हैं । विद्या मंदिरों में शिक्षण के साथ–साथ विविध कार्यक्रमों एवं विभागीय दायित्वों के माध्यम से अभिव्यक्ति क्षमता, अनुशासन, परिश्रम शीलता, व्यवस्था

कौशल, संगठन कौशल, दायित्व बोध एवं सद्संस्कारों को विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा बच्चों के जीवन का निर्माण होता है । विद्यालय की स्थानीय व्यवस्था में दायित्व निर्वहन करने वाली बच्चों की टोली ही छात्र संसद कहलाती है । प्रधानाचार्य डॉ बृजेंद्र कुमार मिश्र ने कहा किछात्र संसद छात्रों द्वारा ही बनाया गया है, छात्रों का संगठन है । जिसमें बच्चे आचार्य के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं । इस दौरान विद्यालय के आचार्य परिवार सहित छात्र संसद के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लखीमपुर संकुल

शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

श्री तेज महेन्द्रा सरस्वती शिशु/विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज पलिया कलां खीरी में शिशु भारती, छात्र सांसद तथा कन्या भारती के भैया/बहिनों के शपथ ग्रहण समारोह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी पलिया श्री आदित्य कुमार गौतम जी , विशिष्ट अतिथि बैंक आफ बड़ौदा शाखा पलिया के मुख्य शाखा प्रबंधक श्री राकेश कुमार गौतम जी ,रहे। मुख्य अतिथि महोदय ने सभी पदाधिकारी भैया बहिनों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। क्षेत्राधिकारी महोदय पलिया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि मैं जानता हूँ कि सरस्वती विद्या मन्दिर के छात्र छात्राएं बहुत ही अनुशासित एवं संस्कारी होते है । यहां बच्चे बड़ो का सम्मान करते है तथा इन विद्यालयों में संस्कार कूट – कूटकर भरे जाते है। अपना देश लोकतांत्रिक देश है जैसे विधानसभा एवं लोकसभा में चुने गये प्रतिनिधि का शपथ ग्रहण समारोह होता है उसी प्रकार आज इस विद्यालय में भी शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है। मैआभारी हूँ इस विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम प्रताप सिंह जी का जिन्होंने मुझे मुख्य अतिथि के रूप में बुलाकर सम्मान किया । मै अपने को सौभाग्यशाली मानता हूँ कि हम इस कार्यक्रम के साक्षी बने। विद्यालय के प्रबंधक श्री रामबचन तिवारी जी ने कहा कि मै आज अपने बीच बैठे मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी पलिया आदित्य कुमार गौतम जी से निवेदन करना चाहता हूँ कि जैसे एक मां अपने बच्चों का खयाल रखती है वैसे ही इस विद्यालय पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखियेगा । शिशु भारती के अध्यक्ष भैया अंशुल राना , उपाध्यक्ष अंशिका राना, मंत्री गुनगुन शुक्ला, उपमंत्री अंकुल राठौर , सेनापति भैया अनुज उप–सेनापति भैया यज्ञ कश्यप, छात्र सांसद के प्रधानमंत्री भैया प्रतीक पाण्डेय, उप–प्रधानमंत्री भैया सौरभ शुक्ला, अनुशासन प्रमुख अनेक शाह , सह अनुशासन पृथ्वी गुप्ता । कन्या भारती प्रधानमंत्री श्रद्धा सिंह, उपप्रधानमंत्री इशिता कुशवाहा, अनुशासन प्रमुख साक्षी त्रिपाठी, अनुशासन प्रमुख सहायक कौशिकी राना ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली । इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री चांद कुमार जैन, सह–प्रबंधक शिवपाल सिंह जी, सदस्य श्री अभिषेक शुक्ल जी एवं समस्त आचार्य परिवार उपस्थित रहा।

संकुल के विभिन्न विद्यालयों में हुए शपथ ग्रहण कार्यक्रम की झलकियां

बैगलेश कक्षा की कुछ तस्वीरें

मातृ भारती का गठन किया गया

सनातन धर्म सरस्वती विद्या मन्दिर बालिका इण्टर कालेज में विद्या भारती के योजनानुसार **मातृ भारती** के गठन का आयोजित किया गया। जिसमें माताओं को छात्राओं के विकास में सक्रिय भागीदारी हेतु विभिन्न दायित्व दिये गये तथा बालिका शिक्षा के सन्दर्भ में उनके सुझाव लिये गये। विद्यालय की **प्रधानाचार्य श्रीमती शिप्रा बाजपेई जी** ने बालिका शिक्षा की अवधारणा तथा वर्तमान सांस्कृतिक संक्रमण के दौर में इसकी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। विद्यालय मातृ भारती संगठन की संरक्षिका के रूप में विद्यालय प्रबन्ध समिति की सदस्य **श्रीमती ममता अग्रवाल जी** का चयन किया गया। अध्यक्षा के रूप में **श्रीमती नीता शुक्ला जी**, उपाध्यक्षा के पद पर श्रीमती अर्चना त्रिवेदी जी, मंत्री के पद पर श्रीमती प्रीति दीक्षित जी, सहमंत्री के पद पर श्रीमती अंजली गुप्ता जी, संस्कृति संरक्षण एवं संवर्धन के पद पर श्रीमती मीरा देवी जी, समाज एवं परिवार प्रबोधन के पद पर श्रीमती शान्या तिवारी जी, आहार एवं आरोग्य विभाग के पद पर श्रीमती मधुबाला श्रीवास्तव जी, लोकशिक्षा विभाग श्रीमती श्वेता शर्मा जी, स्वच्छता एवं पर्यावरण विभाग श्रीमती संजू गुप्ता जी, कोषाध्यक्ष श्रीमती रूपा मिश्रा जी, संयोजिका के पद पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती शिप्रा बाजपेई जी एवं सह संयोजिका श्रीमती अमिता गुप्ता जी का चयन किया गया। इस अवसर पर एवं **प्रधानाचार्य श्रीमती शिप्रा बाजपेई जी** ने सभी का आभार प्रकट किया।

बाल गंगाधर की जयन्ती धूमधाम से मनायी गयी

विद्या भारती विद्यालय डॉ हेडगेवार सरस्वती शिशु मंदिर आवास विकास लखीमपुर– खीरी में महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी की जयंती बड़े ही श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन , पुष्पार्चन तथा सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत विभाग से अवकाश प्राप्त एवं विद्यालय के अभिभावक श्री अवधेश जी गुप्त उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम मणि मिश्र जी ने कराया। विद्यालय के आचार्य श्री सर्वेश कुमार बाजपेई लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के जीवन वृत्त पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि जी ने अपने आशीर्वचन में लोकमान्य गंगाधर तिलक जी के जीवन से सभी को प्रेरणा लेने की बात कही। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम मणि मिश्र ने बाल गंगाधर तिलक जी के भारत की स्वतंत्रता में योगदान की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट किया तथा अतिथि महानुभाव के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

क्षेत्रीय प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला सम्पन्न

विद्या भारती विद्य विद्या भारती विद्यालय पं. दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी. बोर्ड), लखीमपुर खीरी में भविष्य के निर्माताओं का आंकलन करने के लिए क्षेत्रीय प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला (प्राथमिक विभाग) का आयोजन दिनांक 20–07–2023 से 23–07–2023 तक हुआ। जिसका उद्घाटन मा० कौशल जी (सह प्रदेश मंत्री जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश), मा० मिथिलेश

अवस्थी जी (प्रदेश निरीक्षक, जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश), मा० अभिषेक जी (विभाग प्रचारक, सीतापुर) मा० सुरेश जी (सम्भाग निरीक्षक, सीतापुर सम्भाग) मा० कैलाश चन्द्र जी (सम्भाग निरीक्षक, श्रावस्ती) मा० विमल अग्रवाल जी (प्रबन्धक, पं.दी. द उपा. स.वि.म.इ.का. यू.पी. बोर्ड) व मा० रवि भूषण साहनी जी (प्रबन्धक, पं.दीद उपा. स.वि.म.इ.का. सी.बी.एस.ई.) ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मा० मिथिलेश अवस्थी जी ने प्रश्न पत्र निर्माण के लिए आये हुए आचार्य / आचार्या जी को बताया कि प्रश्न पत्र छात्रों के स्तर को ध्यान में रखकर बनाना चाहिए जिससे बच्चों के अन्दर के ज्ञान को उत्तर पुस्तिका पर ला सकें। प्रश्न ऐसे हो जो छात्रों का पूर्ण मूल्यांकन कर सकें तथा छात्रों का बहुमुखी विकास हो सके। प्रश्न पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखकर बनाये जाएं। इस अवसर पर लखीमपुर नगर के विद्या भारती विद्यालयों के सभी प्रधानाचार्य जी उपस्थित रहे। दिनांक 21–07–2023 को मा हेमचन्द्र जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री पूर्वी उ0प्र0). मा. दिनेश सिंह जी (क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख) मा राजेन्द्र बाबू जी (क्षेत्रीय सम्पर्क प्रमुख) मा उमाशंकर जी (क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रमुख) मा कमलेश सिंह जी (क्षेत्रीय सह प्रशिक्षण प्रमुख) को प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला में आये हुए सभी आचार्य / आचार्या

जी के साथ एक समीक्षा बैठक की तथा प्रश्न पत्र निर्माण सम्बन्धी दिशा निर्देश दिये। कार्यक्रम का समापन दिनांक 23–07–2023 को दोपहर 12:30 बजे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मा० मिथिलेश अवस्थी जी (प्रदेश निरीक्षक, जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश) ने बताया कि इस अवसर पर कुल 48 आचार्य 4 प्रान्तों (कानपुर प्रान्त अवध प्रान्त गोरक्ष प्रान्त, काशी प्रान्त) से आये थे और कक्षा 1 से कक्षा 5 तक नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा, हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान गीत कहानी / सा० विषय, कम्प्यूटर, कला, शारीरिक संस्कृत आदि विषयों के प्रश्न पत्रों का निर्माण कार्य किया। इस कार्य में श्री सुरेश सिंह (सम्भाग निरीक्षक, सीतापुर), श्री कैलाश चन्द्र वर्मा (सम्भाग निरीक्षक, श्रावस्ती), डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह (प्रधानाचार्य, यू०पी०बोर्ड विद्यालय), श्री मुनेन्द्र दत्त शुक्ल (प्रधानाचार्य, स.घ.स.शि.म. मिश्राना) परीक्षा प्रभारी श्री इन्द्रेश कुमार शर्मा, भोजनालय प्रमुख श्री प्रमोद कुमार मिश्र व कम्प्यूटर प्रमुख श्री सुधीर कुमार वर्मा ने अपने–अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वाहन किया मा० कौशल जी (सह प्रदेश मंत्री जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश) ने आचार्यों को भविष्य में विद्यालय में होने वाली मासिक परीक्षाओं में भी इसी प्रकार से प्रश्न पत्र बनाने के लिए सुझाव दिया। इस अवसर पर डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह (प्रधानाचार्य पं.दी. द. उपा. स.वि.म.इ. कालेज) ने आये हुए सभी आगुन्तकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आए हुए सभी अतिथियों से आग्रह है कि यदि व्यवस्था में कोई न्यूनता रही हो तो उसे यही छोड़कर और अच्छी चीजों को ग्रहण कर आप अपने गंतव्य को प्रस्थान करेंगे अनेक स्थानों से आये हुए सभी प्राश्निकों को मंचस्थ अतिथियों ने उपहार दे कर विदा किया।

अभिभावक सम्मेलन आयोजित

मोहम्मदी। स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर में अभिभावक सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, विद्यालय समिति के उपाध्यक्ष श्री राम प्रकाश गुप्ता ने मां सरस्वती के चरणों में दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने आए हुए अभिभावकों को उनके शिशुओं के विकास हेतु अनेकों महत्वपूर्ण बिंदु बताकर उनको प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री पवन कुमार वर्मा ने भी टेक्नॉलॉजी के अनेकों महत्वपूर्ण बातों को बता कर प्रेरित किया । इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री ललित जी , कार्यालय प्रमुख श्री राम प्रकाश बघेल जी, रामू जी और विद्यालय की सभी आचार्या बहनें कीर्ति जी, अर्चना गुप्ता जी, अंशू जी ,सिमरन जी, पल्लवी जी, रितिका जी, अर्चना सिंह जी, नीतू जी, एवं गीतांजलि जी उपस्थित रहीं।

शिशु भारती का शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

विद्या भारती विद्यालय सनातन धर्म सरस्वती शिशु मंदिर मिश्राना में सत्र 2023–24 के लिए शिशु भारती का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री मुनेंद्र दत्त शुक्ल ने अतिथि परिचय एवं स्वागत के साथ कार्यक्रम की भूमिका हम सबके समक्ष रखी। शिशु भारती प्रमुख श्री विजय शंकर तिवारी जी ने शिशु भारती के पदाधिकारियों की घोषणा करते हुए भैया मनीष पाल को अध्यक्ष, शुभ गुप्ता को उपाध्यक्ष वरिष्ठ, आदित्य रस्तोगी को उपाध्यक्ष कनिष्ठ, सूर्यांश शुक्ला को मंत्री, रुद्र प्रताप वर्मा को उपमंत्री वरिष्ठ, अध्ययन पटेल को उपमंत्री कनिष्ठ, अनुभव चौधरी को सेनापति, अवनीत वर्मा को उप सेनापति वरिष्ठ, ग्रंथ मिश्रा को उपसेनापति कनिष्ठ तथा विद्यालय के सभी विभागों यथा वंदना, घोष, सज्जा, खोया पाया, पुस्तकालय, वाचनालय, क्रीडा, स्वच्छता आदि के प्रमुखों व उनके सहयोगियों की घोषणा की। मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री प्रवीण कुमार तिवारी (पूर्व छात्र अमेठी सरस्वती शिशु मंदिर) ने अपने उद्‌बोधन में छात्र के मन, शरीर व आत्मा का विकास करते हुए सर्वांगीण विकास की ओर ध्यानाकर्षण किया। आपने बताया कि विद्या भारती के विद्यालय शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों की भी शिक्षा प्रदान करते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्री कैलाश नाथ सेठ जी तथा व्यवस्थापक श्री रवि भूषण साहनी जी ने भी शिशुओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री मनोज दीक्षित आचार्य जी ने तथा आभार प्रदर्शन शिशु वाटिका की संचालिका श्रीमती हीरा सिंह ने किया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ।

कारगिल दिवस विजय दिवस कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया

विद्या भारती विद्यालय प० दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी. बोर्ड व सी0बी0एस0ई0) लखीमपुर खीरी में कारगिल विजय दिवस का कार्यक्रम मनाया गया। यू0 पी0 बोर्ड में कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्रथम सहायक श्री कुन्तीश अग्रवाल जी ने माँ सरस्वती व कारगिल में शहीद सैनिकों के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व पुष्पार्चन कर किया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री विजय कुमार श्रीवास्तव जी ने भैयाओं को बताते हुए कहा कि—— ये देश है अलबेलो का मतवाले यहां रहते हैं, मिट जाए तिरंगे पर जो उजियाले यहां रहते है। दुनिया में सिर्फ हम ही है जो अपने वतन को मां कहते हैं. आज की सुबह खुशरंग है क्योंकि कल की रात सरहद पर किसी जवान ने अपना लहू सूरज के माथे पर मल दिया था 26 जुलाई 1999 का दिन आज भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। इस दिन को हर साल कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। लगभग 18000 फीट की ऊंचाई पर लड़ी गई कारगिल कि इस जंग में भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना के छक्के छुड़ा दिए थे और घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया था। इस युद्ध में सैकड़ो भारतीय सैनिकों ने अपनी आखिरी सॉस भारत माता के नाम कर दी। आज भी उनकी

वीरगाथाएं और पराक्रम की शौर्यगाथाएं कारगिल की फिजाओं से होते हुए देशवासियों के दिलों में राज करती हैं। इस युद्ध में भारतीय सैनिकों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए भारत माता के मस्तक पर आंच नहीं आने दी और पाकिस्तानी सैनिकों को रौंद डाला। यह दिन आज भी भारत की शौर्यगाथाओं में दर्ज है। लगातार 60 दिनों तक चला यह युद्ध भारतवासियों के गौरव का प्रतीक है। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० योगेन्द्र प्रताप सिंह ने भैयाओं को बताया कि इस बार कारगिल विजय दिवस की 24वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। हर साल 26 जुलाई को करगिल विजय दिवस के तौर पर मनाया जाता है। ये वो दिन है जब भारत के वीरों ने करगिल युद्ध में पाकिस्तानी फौज को करारी हार देकर दुर्गम पहाडों पर तिरंगा फहराया था। इस युद्ध में भारत के सैकड़ों जवानों ने अपनी जान गवाई थी करगिल विजय दिवस का दिन न सिर्फ देश की जीत की गौरवशाली गाथा को याद करने का दिन है, बल्कि इस गाथा को लिखने वाले वीर सपूतों की वीरता, शौर्य और शहादत को नमन करने का दिन है। इस अवसर पर समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। सी0 बी0एस0ई में कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिप्टी कमांडेंट सीमा सुरक्षा बल लखीमपुर खीरी बृजेश यादव जी व विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान जी के द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मुख्य अतिथि द्वारा विद्यालय के भैया बहनों को हमारी सेना के गौरवशाली इतिहास से परिचय कराया गया, उन्होंने बताया कि किस प्रकार सेना विषम परिस्थितियां होने के बावजूद देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व निछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहती है। इस अवसर पर विद्यालय में कक्षा एक से पांच तक के भैया बहनों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया। चिकित्सा शिविर का उद्घाटन माननीय प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान व नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गौरव गोयल जी के द्वारा किया गया। शिविर में डॉक्टर गोयल व उनके सहायक डॉक्टरों ने मिलकर भैया बहनों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया व उनको आवश्यक परामर्श देते हुए दवाएं वितरित की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य अरविंद सिंह चौहान जी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कहा की भैया बहनों को सेना व सैनिकों का सदैव सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने डिप्टी कमांडेंट एसएसबी श्री बृजेश यादव जी का विशेष आभार व्यक्त किया।

प्रदूषण से पर्यावरण को गंभीर खतरा

मौजूदा दौर में मानव के लिए सबसे बड़ा खतरा बढ़ते प्रदूषण से है। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रदूषण की वजह से वर्ष 2019 में दुनियाभर में लगभग 90 लाख लोगों की समय से पहले ही मौत हो गई थी। वर्ष 2000 के बाद से ट्रकों, कारों और उद्योगों से आने वाली प्रदूषित वायु के कारण मरने वालों की संख्या में 55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों, जैसे – भारत और चीन में प्रदूषण से होने वाली मौतों के मामले सबसे ज्यादा हैं। यहां हर साल लगभग 2.4 मिलियन से 2.2 मिलियन मौतें होती हैं। अगर वायु प्रदूषण की बात की जाए तो यह इस कदर बढ़ गया है कि इसकी वजह से लोगों को कई तरह की बीमारियाँ होने लगी हैं। भारत के बारे में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, देश की राजधानी दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित राजधानी शहर है। यही नहीं, देश के कई शहर दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल हैं। इस वायु प्रदूषण की वजह से साँस लेने में समस्या होने के साथ–साथ अन्य कई बीमारियाँ हो रही हैं। ऐसे ही जल प्रदूषण से जलजनित रोग संक्रामक रोग होते हैं। इनमें हेपेटाईटिस, हैजा, पेचिश तथा टाइफायड आम जलजनित रोग हैं, जिनसे उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के बहुसंख्यक लोग प्रभावित होते हैं। प्रदूषित जल के संपर्क से अतिसार, त्वचा संबंधी रोग, श्वास समस्याएँ तथा अन्य रोग हो सकते हैं, जो जल निकायों में मौजूद प्रदूषकों के कारण होते हैं। जल के स्थिर तथा अनुपचारित होने से मच्छर तथा अन्य कई परजीवी कीट आदि उत्पन्न होते हैं, जो विशेषत उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में कई बीमारियाँ फैलाते हैं।

वायु प्रदूषण से हर साल 70 लाख मौतें

एक बार संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट आई थी, जिसमें कहा गया था कि घर के अंदर और बाहर होने वाले वायु प्रदूषण के कारण हर साल करीब 70 लाख लोगों की असमय मौत हो जाती है। ऐसी मौतों में 6 लाख बच्चे शामिल होते हैं। इस आधार पर अगर आकलन किया जाए तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि पर्यावरण प्रदूषण किस तरह से हमारे स्वास्थ्य के लिए घातक बनता जा रहा है। मौजूदा समय में हवा से लेकर पानी, फल सब्जियाँ यहां तक कि रोजमर्रा की सभी चीजें प्रदूषित हो गई हैं। यह प्रदूषण कई तरह की बीमारियों का घर बन गया है। प्रदूषित हवा में साँस लेने से न सिर्फ साँस संबंधी बीमारियाँ होती हैं बल्कि यह मृत्यु का कारण भी बन सकती हैं। जब वायु में प्रदूषक तत्वों की संख्या अत्यधिक बढ़ जाती है तो साँस लेने से जुड़ी कई परेशानियों के अलावा आँखों में जलन और खुजली होने लगती है। अस्थमा के अलावा साँस संबंधी कई बीमारियाँ पैदा हो जाती हैं। साल 2017 में वायु प्रदूषण से करीब 12.4 लाख मौतें हुईं। आज लोग टेंशन, डिप्रेशन, डायबिटीज और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों की चपेट में हैं। ये बीमारियां मुख्यतरू वायु प्रदूषण के कारण होती हैं। हाल ही में आए एक अध्ययन के अनुसार, यातायात संबंधी प्रदूषण की वजह से बच्चों के दिमाग पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इससे कई तरह के मानसिक विकार पैदा होते हैं। एक अन्य अध्ययन के अनुसार, प्रदूषण से गर्भपात (मिसकैरेज) का भी खतरा रहता है।

वायु प्रदूषण के मुख्य कारण

वायु प्रदूषण बढ़ने के कई कारण हैं। इनमें मुख्य हैं – फैक्टरी और कारखानों से निकलने वाला धुआँ, एसपीएम यानी सस्पेंडेड पार्टिक्युलेट मैटर, सीसा और नाइट्रोजन ऑक्साइड आदि। पर्यावरण प्रदूषण बढ़ाने में कूड़े–कचरा का भी बड़ा योगदान होता है। जगह–जगह कूड़ा जलाने और फेंकने से कई हानिकारक गैसें उत्पन्न होती हैं, जो स्वच्छ हवा के साथ मिलकर उसे जहरीला बना देती हैं।

जल प्रदूषण के प्रमुख कारण

यह सभी जानते हैं कि जीवन के लिए स्वच्छ हवा के बाद सबसे बड़ी जरूरत स्वच्छ पानी की है। कहा भी जाता है कि जल ही जीवन है, लेकिन आज यही जल कई गंभीर बीमारियों का जन्मदाता बन चुका है। इसकी वजह है जल का प्रदूषित होना। फैक्ट्रियों, कारखानों से निकलने वाला कचरा नदियों में बहा दिया जाता है। गंदे नालों से निकलने वाला पानी नदियों में मिलकर उनका प्रदूषण बढ़ा देता है। जल प्रदूषण के कारण ही कई बीमारियां फैलती हैं, जैसे – डायरिया, टायफॉइड और हैजा आदि।

पर्यावरण प्रदूषण से बचाव के उपाय

पर्यावरण प्रदूषण से बचाव के लिए सरकार को तो गंभीर प्रयास करने ही चाहिए, लेकिन जबतक नागरिक अपनी जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तबतक सरकार के प्रयास सफल नहीं होंगे। आइए जानते हैं कि पर्यावरण प्रदूषण से बचाव के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं –

- पर्यावरण को बचाने के लिए सरकार नई नीतियाँ बनाए और मौजूदा नीतियों में परिवर्तन करे।

- गीला कचरा और सूखा कचरा अलग–अलग डस्टबिन में डालें। हालाँकि कुछ शहरों में यह प्रयोग चल रहा है।
- फल, सब्जियाँ या ऐसी चीजें जो रीसाइकल हो सकें, उन्हें हरे कूड़ेदान में डालें और प्लास्टिक, कांच, पॉलीथीन जैसी चीजें नीले कूड़ेदान में डालें।
- ऐसे सामानों का इस्तेमाल करें जो रीयूजेबल हों, यानी जिन्हें दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। जब भी कमरे या घर से बाहर निकलें तो सभी लाइटें और पंखे बंद कर दें।
- अगर आसपास ही किसी मार्केट या अन्य जगह पर जाना है तो कार या पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बजाय साइकिल का इस्तेमाल करें या फिर पैदल चलकर जाएँ।
- गाड़ी, घर या अन्य चीजों की साफ–सफाई के लिए खतरनाक केमकिल आधारित उत्पादों की जगह ईको–फ्रेंडली उत्पाद इस्तेमाल करें।

मृदा प्रदूषण से होने वाला नुकसान

मृदा के भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में कोई ऐसा अवांछनीय परिवर्तन जिसका प्रभाव मानव पोषण तथा फसल उत्पादन व उत्पादकता पर पड़े और जिससे मृदा की गुणवत्ता तथा उपयोगिता नष्ट हो, श्मृदा प्रदूषण्य कहलाता है। कैडमियम, क्रोमियम, ताँबा, कीटनाशक पदार्थ, रासायनिक उर्वरक, खरपतवारनाशी पदार्थ, विषैली गैसें आदि प्रमुख मृदा प्रदूषक हैं।

मृदा प्रदूषण से मृदा के भौतिक एवं रासायनिक गुण प्रभावित होते हैं और मिट्टी की उत्पादन क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। कहीं–कहीं लोग मल–जल से खेतों की सिंचाई करते हैं। इससे मृदा में उपस्थित छिद्रों की संख्या दिनों–दिन घटती जाती है और बाद में एक स्थिति ऐसी आती है कि भूमि की प्राकृतिक मल–जल उपचार क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। जब मृदा में प्रदूषित पदार्थ की मात्रा बढ़ जाती है तो वे जलस्रोतों में पहुँच कर उनमें लवणों तथा अन्य हानिकारक तत्वों की सान्द्रता बढ़ा देते हैं, परिणामस्वरूप ऐसे जलस्रोतों का जल पीने योग्य नहीं रहता। मृदा प्रदूषण रोकने के लिए कूड़े–करकट के संग्रहण, निष्कासन एवं निस्तारण की व्यवस्था आवश्यक है। मृदा प्रदूषण के सबसे बड़े कारक कल–कारखानों से निकलने

वाले सीवेज जल को मृदा पर पहुँचने से पूर्व उपचारित करना जरूरी होता है, लेकिन व्यावहारिक तौर पर इसका प्रबंध नहीं हो पाता। नगर पालिका और नगर निकायों द्वारा अपशिष्ट का उचित निस्तारण भी जरूरी है। इसके अलावा रासायनिक उर्वरकों के ज्यादा उपयोग से बचना होगा। साथ में कीटनाशी, कवकनाशी एवं शाकनाशी आदि का उपयोग कम से कम किया जाना चाहिए। सबसे बड़ी बात, आम जनता को मृदा प्रदूषण के दुष्प्रभावों की जानकारी दी जानी आवश्यक है।

पर्यावरण प्रदूषण दिल की बीमारी का सबसे बड़ा कारण

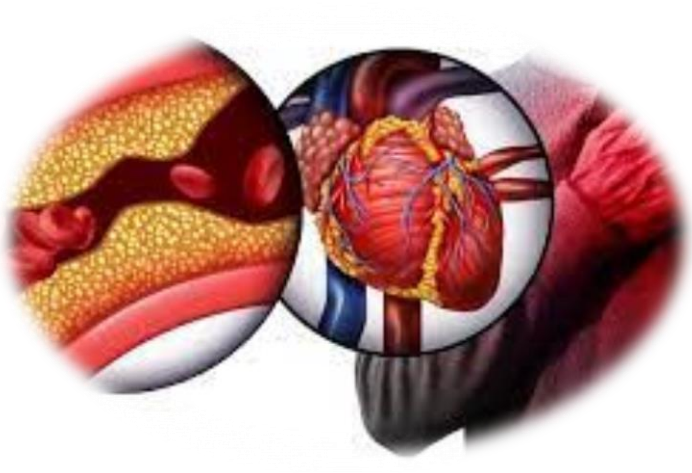

पर्यावरण प्रदूषण दिल की गंभीर बीमारियों का सबसे खतरनाक कारण है। हिमाचल प्रदेश के आईआईटी मंडी के शोधार्थी वयस्कों में हृदय रोगों के बारे में शोध के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं। इस शोध में कहा गया है कि केवल स्वयं धूम्रपान करने वाले को ही खतरा नहीं, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से धूम्रपान होने के कारण भी बहुत खतरा होता है। इन बीमारियों के लिए अनुवांशिक कारण, मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल, डिप्रेशन भी बड़े कारण हैं। भारत में 45 वर्ष और अधिक उम्र के लोगों में हृदय रोगों (सीवीडी) के सबसे खतरनाक कारणों का पता लगाने के लिए आईआईटी मंडी के शोधकर्ताओं की एक टीम ने डॉ. रमना ठाकुर के मार्गदर्शन में अध्ययन किया है। शोध के विवरण श्करंट प्रॉब्लम्स इन कार्डियोलॉजी (एल्सेवियर) इंपेक्ट फैक्टस्य नामक जर्नल में प्रकाशित किए गए हैं। आईआईटी मंडी के मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रमना ठाकुर और रिसर्च स्कॉलर गायत्री और सुजाता ने मिल कर यह शोध पत्र तैयार किया है। शोधकर्ताओं ने भारत के गाँव और शहर दोनों के 45 वर्ष उम्र के 59,000 से अधिक लोगों के डाटा का विश्लेषण किया और बीमारी के सबसे खतरनाक कारणों का पता लगाया। अध्ययन में यह देखा गया कि भारत के उम्रदराज वयस्कों में सीवीडी के प्रकोप और इसके बढ़ने के लिए पर्यावरण प्रदूषण एक खतरनाक कारण है। भारत की अधिकतर आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। खाना पकाने और ऐसे अन्य कार्यों के लिए प्रदूषण करने वाले ईंधन का उपयोग करती है। ऐसे ईंधन के जलने से हानिकारक धुआँ निकलता है, जो लोगों की सेहत के लिए खतरनाक है। इस अध्ययन में शारीरिक श्रम, व्यायाम जैसे व्यवहार संबंधी सीवीडी के खतरनाक कारणों की भी पहचान की गई।

डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह

प्रान्त प्रचार प्रमुख

शिक्षा समागम 2023 देखा गया

विद्या भारती विद्यालय पं0 दीनदयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज (यू.पी.बोर्ड), लखीमपुर में आज अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2023 कार्यक्रम भैयाओं व समस्त विद्यालय परिवार के साथ देखा गया। जिसमें मा0 प्रधानमंत्री जी नें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगाँठ के अवसर पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2023 का उद्घाटन दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम में किया तथा पीएम श्री योजना के तहत चयनित विद्यालयों को 630 करोड़ रूपये की प्रथम किस्त भी जारी की जिसके द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की परिकल्पना के अनुसार समता पूर्ण एवं समावेशी विद्यालय तैयार करना है तथा यह विद्यालय अपने आस–पास के विद्यालयों को तैयार करने में सहयोग करेंगे तथा इस योजना के तहत 14500 से अधिक स्कूल अपग्रेड होंगे तथा यू0पी0 में इस योजना के तहत 1773 स्कूल लाभान्वित होंगे, यहां पढ़ने वाले छात्रों को आधुनिक सुविधायें और साधन प्रदान किये जायेंगे। मा0 प्रधानमंत्री जी नें कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा, ज्यादातर विकसित देशों नें अपनी मूल भाषाओं के आधार पर प्रगति की है लेकिन हमारे देश में इतनी सारी भाषायें होनें के बावजूद दुर्भाग्य से हमने उन्हें पिछड़ेपन के नजरिये से देखा हमारी शिक्षा प्रणाली आधुनिक विज्ञान और प्रौद्यौगिकी में देश की प्रगति का नेतृत्व करते हुए भारत की परम्पराओं को संरक्षित कर रही है। उन्होंने कहा कि विद्या विमर्श के लिए तथा शिक्षा संवाद के लिए होती है शिक्षा ही है जो देश की तकदीर बदलने की ताकत रखती है। देश जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है उसे हासिल करने में शिक्षा की अहम भूमिका है और आप लोग इसके प्रतिनिधि हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी नें 12 भाषाओं में 100 पुस्तकों का अनावरण किया। इस कार्यक्रम को देखने के लिए विद्यालय के 209 भैया तथा समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

हरदोई संकुल

बैठक सम्पन्न

आचार्य विकास वर्ग 2023 की तैयारी हेतु एक बैठक स्थानीय सरस्वती शिशु/ विद्या मन्दिर विष्णुपुरी हरदोई मे संकुल प्रमुख व विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विनोद कुमार सिंह जी की अध्यक्षता मे आयोजित की गई। बैठक मे संकुल के

रायबरेली संकुल

स्वास्थ्य परीक्षण सम्पन्न

गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वास्थ्य परीक्षण एवं वृक्षारोपण का कार्यक्रम रायबरेली क्लब के द्वारा संपन्न किया गया विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान विमल तलरेजा ने आए हुए सभी डॉक्टरों का एवं अधिकारियों का स्वागत किया प्रधानाचार्य श्रीमान रविंद्र मोहन मिश्र ने सभी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री का चयन

बरातीलाल गंगाराम सरस्वती विद्या मंदिर इन्टर कॉलेज लालगंज रायबरेली में लोकतांत्रिक प्रणाणी का अनुसरण करते हुए प्रधानमंत्री पद पर अटल बाजपेई , उप प्रधानमंत्री पद पर दिग्विजय सिंह , अनुशासन प्रमुख पद पर दिव्यांशु गुप्ता के चयन की घोषणा श्रीमान प्रधानाचार्य सत्येंद्र कुमार शुक्ला जी ने की ।

आचार्य परिवार का मार्गदर्शन किया

माननीय प्रदेश निरीक्षक जी ने बाल कल्याण समिति लालगंज द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर , सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इन्टर कॉलेज , बरातीलाल गंगाराम सरस्वती विद्या मंदिर इन्टर कॉलेज लालगंज रायबरेली की संयुक्त आचार्य बैठक में नवाचारी शिक्षा , स्कूलों में शिक्षण अधिगम वातावरण को आनंदमय कैसे बनाया जाए , इन नवीन विषयो पर आचार्य परिवार का मार्गदर्शन किया ।

झलकियां

34वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता

वालीबाल, हॉकी, योगासन, तैराकी, ताइक्वांडो

उन्नाव संकुल

ताइक्वांडो की ट्रायल प्रतियोगिता सम्पन्न

विद्या भारती की योजना अनुसार ताइक्वांडो खेल का संकुल स्तरीय चयन ट्रायल प्रतियोगिता स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गोपीनाथपुरम में संपन्न हुई। ट्रायल का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार मिश्र ने परिचय प्राप्त कर किया तथा खिलाडी भैया बहनों को बहुत ही प्रेरणादायक उद्बोधन और मार्गदर्शन प्रदान किया इस अवसर पर उन्नाव संकुल के कुल 22 प्रतिभागी खिलाड़ी भैया बहनों ने भाग लिया जिनमें छह भैया बहनों का चयन किया गया। इस अवसर पर ताइक्वांडो खेल के प्रशिक्षक सोनू कठेरिया तथा गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगानगर शुक्लागंज के खेल प्रशिक्षक प्रदीप द्विवेदी भी उपस्थित रहे। चयन ट्रायल के समापन से पूर्व लखनऊ संभाग के शारीरिक एवं क्रीड़ा प्रमुख रमेश कुमार सिंह ने बताया कि उक्त चयन ट्रायल में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गोपीनाथपुरम के 2 खिलाडी भैया बहन तथा गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नगर शुक्लागंज के 4 खिलाड़ी भैया बहनों का चयन किया गया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ

सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलेज गोपीनाथपुरम शुक्लागंज उन्नाव में NCC कैडेट्स ने G& 20 प्रतियोगिता में भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर प्रचारक श्री आकाश जी , विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नरेन्द्र कुमार मिश्रा जी ने माँ सरस्वती जी के चरणों में पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलित कर किया । मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विभाग प्रचारक, N- O- व वर्तमान में गोण्डा सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री बृजेन्द्र जी व विद्यालय के वर्तमान कोषाध्यक्ष व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर कार्यवाह श्रीमान भूपेंद्र सिंह जी उपस्थित रहे जिन्होंने NCC के कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया व भविष्य में छब्ब के लक्ष्य को पूरा करने के लिए प्रेरित भी किया । इस अवसर पर प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया । निबन्ध प्रतियोगिता में प्रथम–– मीनाक्षी, द्वितीय–– आनन्द तिवारी ,तृतीय–– अमन कुमार, कला में प्रथम–– प्रीति तिवारी, द्वितीय–– अनुपमा पांडेय ,तृतीय –– अंशिका वर्मा , श्लोगन में– निखिल तिवारी, रंगोली में–– श्रद्धा साहू व स्रष्टि सिंह चौहान रहीं जिनको मंचस्थ अभ्यागत अतिथियों ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया । कार्यक्रम में NCC &&& A N O श्री शशिकांत शर्मा व 37 कैडेट्स उपस्थित रहे । कार्यक्रम का समापन कैडेट्स ने अपनी परम्परा अनुसार किया ।

बाराबंकी संकुल

आचार्य विकास वर्ग का आयोजन हुआ

सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तहसील फतेहपुर बाराबंकी में आज त्रिदिवसीय संकुल स्तरीय आचार्य विकास वर्ग का भव्य उद्घाटन भारतीय शिक्षा समिति उ0प्र0 के यशस्वी प्रदेश निरीक्षक श्रीमान श्री राम जी सिंह जी के द्वारा किया गया । इस अवसर पर शिक्षण सहायक सामग्री की अद्भुत प्रदर्शनी लगाई गई। घाघरा एवं कल्याणी के मध्य पावन भूमि महादेवपुरम तहसील फतेहपुर में एन इ पी 2020 की नवीन शैक्षणिक तकनीकी योजनाओं को भारत व्यापी शिक्षा व्यवस्था की आधारशिला मानते हुए समस्त आचार्य बंधुओं –बहनों ने सहभाग किया जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मील का पत्थर अनुप्रयोग की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। अतिथि परिचय व स्वागत संकुल प्रमुख शैलेंद्र सिंह ने कराया। कार्यक्रम में

विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान लाल बहादुर जी वर्मा, उपाध्यक्ष श्री अहिबरन सिंह जी ,संभाग निरीक्षक श्री अवरीश जी, प्रांतीय निरीक्षक उत्तम कुमार मिश्र जी, सरस्वती विद्या मंदिर हैदर गढ़ के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सिंह, सरस्वती विद्या मंदिर ढकोली के प्रधानाचार्य कमलेश कुमार जी, संकुल के आचार्य व आचार्या बहने उपस्थित रहे। प्रधानाचार्य श्रीमान सुनील सिंह जी के द्वारा सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया गया।

तहसील फतेहपुर बाराबंकी सार सार को गहि रहे विषयक उदगार के माध्यम से भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख, मानक परिषद प्रशिक्षण प्रमुख एवं शारदा प्रकाशन लखनऊ के प्रबंधक आदरणीय श्री राजेंद्र बाबू जी ने संकुल स्तरीय त्रिदिवसीय आयोजित आचार्य विकास वर्ग के द्वितीय दिवस पर आचार्यों का मार्गदर्शन किया। द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की उत्कृष्ट संभावनाएं एवं संकल्पनाओं से वारिस चिल्ड्रन अकादमी के चेयरपर्सन श्री विजयानंद बाजपेई जी ने आचार्यों को परिचित कराया। तृतीय सत्र की श्रृंखला में जिला प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान बाराबंकी के यशस्वी प्रवक्ता एवं विद्यालय के पूर्व छात्र श्री राहुल सिंह जी के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का विस्तार से विश्लेषण किया गया चतुर्थ एवं पंचम सत्र में टी एल एम के प्रयोग हेतु वास्तविक विषय गत कक्षा –कक्षों का भव्य एवं दिव्य संचालन कर आचार्य बंधु– बहनों को अत्याधुनिक शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया गया। अंतिम सत्र में विद्यालय के यशस्वी प्रधानाचार्य श्री सुनील कुमार सिंह जी के द्वारा पांच आधारभूत विषयों को गतिविधियों के साथ संस्कृत बोध परियोजना की सामाजिक एवं राष्ट्रीय आवश्यकता को सिद्ध किया गया। विस्तार विश्लेषण के साथ ज्वायफुल वक्तव्य देते हुए समस्त आचार्यों को नई दिशा प्रदान की आचार्य विकास वर्ग में जिले के समस्त आचार्यों के साथ श्री अवरीश जी संभाग निरीक्षक, श्री अहिबरन सिंह जी संस्थापक आचार्य, संकुल प्रमुख श्री शैलेंद्र सिंह जी एवं श्री ओम प्रकाश सिंह जी के साथ कमलेश कुमार जी प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

संस्कृति बोध परियोजना सम्पर्क अभियान का उद्घाटन हुआ

तहसील फतेहपुर।विद्या भारती का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा पहुंचाना है। हजारों वर्षों तक पराभूत रहने के कारण भारत की गौरवमयी संस्कृति व विचारों का लोप हो गया । लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति मे दीक्षित भारतीय मन से अंग्रेजी सभ्यता के दास बन चुके हैं। उक्त उद्गार प्रधानाचार्य प्रान्त संयोजक संस्कृति बोध परियोजना सुनील कुमार सिंह श्रेयस ने स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित संस्कृति बोध परियोजना के संपर्क अभियान के उद्घाटन अवसर पर जन समुदाय को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने आगे कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समाज में व्याप्त विसंगतियां मनुष्य की पाशुविकता का प्रकटीकरण है। समाज किस प्रकार जागरूक हो ,संगठित हो इस हेतु संस्कृति बोध परियोजना के माध्यम से संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन विविध स्तरों पर किया जाता है। इसका उद्देश्य जन जन को भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों से परिचित कराना और अपनी संस्कृति के प्रति गौरव के भाव को जागृत करना है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ हिंदी प्रवक्ता वीरेंद्र कुमार शर्मा ने किया। कोषाध्यक्ष विजय कुमार जैन ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रबंधक लाल बहादुर वर्मा, संरक्षक सदस्य दीपचंद जैन, प्यारे लाल वर्मा, संस्थापक आचार्य अहिबरन सिंह , सचिन जैन, सिद्धि जैन, दिनेश मिश्रा, विद्यार्थी परिषद के सदस्य, पुरातन छात्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य, पोषित ग्रामों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। तहसील फतेहपुर। विद्या भारती का लक्ष्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक भारतीय संस्कृति आधारित शिक्षा पहुंचाना है। हजारों वर्षों तक पराभूत रहने के कारण भारत की गौरवमयी संस्कृति व विचारों का लोप हो गया । लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति मे दीक्षित भारतीय मन से अंग्रेजी सभ्यता के दास बन चुके हैं। उक्त उद्गार प्रधानाचार्य प्रान्त संयोजक संस्कृति बोध परियोजना सुनील कुमार सिंह ने स्थानीय सरस्वती

शिशु मंदिर इंटर कॉलेज में आयोजित संस्कृति बोध परियोजना के संपर्क अभियान के उद्घाटन अवसर पर जन समुदाय को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने आगे कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समाज में व्याप्त विसंगतियां मनुष्य की पाशुविकता का प्रकटीकरण है। समाज किस प्रकार जागरूक हो ,संगठित हो इस हेतु संस्कृति बोध परियोजना के माध्यम से संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन विविध स्तरों पर किया जाता है। इसका उद्देश्य जन जन को भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों से परिचित कराना और अपनी संस्कृति के प्रति गौरव के भाव को जागृत करना है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ हिंदी प्रवक्ता वीरेंद्र कुमार शर्मा ने किया। कोषाध्यक्ष विजय कुमार जैन ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रबंधक लाल बहादुर वर्मा, संरक्षक सदस्य दीपचंद जैन, प्यारे लाल वर्मा, संस्थापक आचार्य अहिबरन सिंह , सचिन जैन, सिद्धि जैन, दिनेश मिश्रा, विद्यार्थी परिषद के सदस्य, पुरातन छात्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य, पोषित ग्रामों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रश्न संच कार्यशाला का उद्घाटन सम्पन्न हुआ

तहसील सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज लखपेड़ाबाग बाराबंकी में आयोजित प्रांतीय वैदिक गणित, विज्ञान एवं सांस्कृतिक प्रश्न संच कार्यशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रदेश निरीक्षक श्रीमान श्री राम सिंह जी एवं विद्यालय के प्रबंधक श्री संतोष कुमार सिंह जी ने दीप प्रज्वलित करके किया, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री शैलेंद्र प्रताप सिंह ने सभी का स्वागत एवं परिचय कराया। इस दो दिवसीय कार्यशाला में प्रांत के आये हुए आचार्यों द्बारा अपने–अपने विषयों का प्रश्न संच तैयार करना होगा। इस कार्यक्रम में साकेत संभाग के संभाग निरीक्षक श्री अवरीश जी एवं सीतापुर संभाग के संभाग निरीक्षक श्री सुरेश यादव जी एवं तहसील फतेहपुर के प्रधानाचार्य श्री सुनील कुमार सिंह जी अंबेडकर नगर के प्रधानाचार्य श्री संतोष कुमार सिंह जी एवं श्री उत्तम जी एवं पूर्व प्रधानाचार्य श्री राजकुमार तिवारी जी एवं श्री मुनीश जी एवं विभिन्न जिलों के आए हुए आचार्य उपस्थित रहे ।

साँस्कारिक पक्ष का सदैव ध्यान रखते हुए प्राणतत्व और बौद्धिक दृष्टि को सबल बनाना है। उक्त विचार संभाग निरीक्षक श्रीमान सुरेश सिंह जी ने व्यक्त किए। आगे उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति के वाहक अनेक घटक है,जिसमे नाटक महत्वपूर्ण है। राजा हरिश्चंद्र के नाटक की चर्चा करते हुए कहा कि इसके मंचन के समय पात्र सजीव हो उठते थे।आज का सिनेमा जगत वह स्थान नही ले सकता है। पराजय और संघर्ष का गहरा नाता है।हमारी संस्कृति संघर्ष की संस्कृति रहीहै।हम कभी पराजित नही हुए। सिकंदर,मोहम्मद कासिम, गौरी,गजनवी,मुगल हमारे यहां और शासन किया किंतु हमें पराजित नही कर पाए। उस दौर में हमने कभी भी अपने संघर्ष को कमजोर नही होने दिया। आज हम स्वतंत्र है,फिर भी संघर्ष जारी है। अंतर इतना है कि उस समय हमारा संघर्ष बाहरी लोगों से था आज अपनो से जो विदेशी संस्कृति को अपना चुके है। पाश्चात्य संस्कृति से बाहर निकलकर हमें अपनी मूल्य आधारित संस्कृति की ओर दृष्टि करनी है। सांस्कृतिक विरासत को भावी पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबका नैतिक कर्तव्य है। घर,परिवार,समाज देश को सही दिशा देने वाले हमारे ऋषि– मुनि, ज्ञानी–ध्यानी संत महात्माओ ने चिर वैभव को वापस लाने के लिए प्रयास किया।अपनी इसी परंपरा को संस्कृति ज्ञान परीक्षा के माध्यम से संस्कृति महोत्सव के रूप में स्थापित करने की आवश्यकता है। हर घर तक अपनी संस्कृति को पहुंचाकर संघ की स्थापना को सार्थक बनाना है। देश के लिए ऐसे नागरिकों का निर्माण करना जो नैतिक मूल्यों से युक्त हो,योग और प्राणायाम दक्ष हो,उनकी सोच वैज्ञानिक हो, सृजनात्मक शक्ति आधारित हो। हमारा ज्ञान प्रमाणिक, अनुकरणीय,और उत्तरोत्तर प्रगति की ओर ले जाने वाला हो।हम सब संस्कृति का व्यापक प्रचार प्रसार कर लोगो को इससे जोड़ने का कार्य करते रहे।भारतीय संस्कृति महान थी, है,और रहेगी,इसी के आधार पर भारत पुनः विश्व गुरु बनेगा। आज के इस कार्यक्रम में संस्कृत ज्ञान परियोजना के प्रांतीय संयोजक व विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान सुनील सिंह श्रेयांश,साकेत संभाग के संभाग निरीक्षक श्रीमान अवरीश सिंह,सीतापुर संभाग के संभाग निरीक्षक श्री सुरेश सिंह,बलरामपुर,लखीमपुर, रामसनेहीघाट, सीतापुर रायबरेली सहित अन्य जिलों के संस्कृत ज्ञान परियोजना के संकुल प्रमुख, साई कॉलेज ऑफ ग्रुप के प्रबंधक श्री विपिन राठौर,समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय में हिंदी के वरिष्ठ प्रवक्ता श्री वीरेन्द्र कुमार शर्मा ने किया।

अम्बेडकर नगर संकुल

शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

विवेकानंद शिशु कुंज सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर में छात्र संसद, कन्या भारती एवं शिशु भारती का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमान अमित कुमार जी (वरिष्ठ प्रबंधक सिविल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर) ने शपथ ग्रहण एवं दायित्वों का बोध कराया । इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान काली प्रसाद मिश्रा जी ने आए हुए मुख्य अतिथि का परिचय एवं स्वागत किया। विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री सुधीर कुमार पांडेय जी ने मंच का संचालन किया। इस अवसर पर छात्र संसद प्रमुख श्री चंद्र मोहन जी, कन्या भारतीय प्रमुख श्रीमती सीमा पांडेय जी, शिशु भारती प्रमुख श्री राम जी गौंड जी उपस्थित रहे।

विज्ञान मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया

आलापुर तहसील क्षेत्र के जय बजरंग इंटर कॉलेज रामनगर में एनसीएसटीसी डीएसटी भारत सरकार तथा विज्ञान जागरूकता समिति द्वारा विज्ञान मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जी 20 आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय विज्ञान मेला प्रदर्शनी का समापन हुआ कार्यक्रम के तीसरे दिन मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प आशावादी पूजन के साथ कार्यक्रम को गति प्रदान की गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में वैज्ञानिक डॉ मृदुल कुमार शुक्ला अपने माता पिता की आरती कर कार्यक्रम को नया रूप प्रदान किया विज्ञान मॉडल विज्ञान नाटक भाषण निबंध प्रतियोगिताओं का फाइनल मूल्यांकन किया गया और प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया जबकि अन्य सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया प्रतियोगिता में लगभग 600 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम में छात्र–छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया विद्यालय की छात्रा शिव तांडव स्तुति मोबाइल एप्लीकेशन भी आकर्षण का केंद्र रहा कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ मिथिलेश त्रिपाठी जिला पंचायत वर्मा पूर्व विधायक अनीता कमल वरिष्ठ भाजपा नेता यमुना प्रसाद चतुर्वेदी अधिकारी चंद्रप्रकाश विश्वकर्मा एवं युवा वैज्ञानिक लोग मौजूद रहे।

भैया–बहिनों को पुरस्कृत किया गया

विवेकानंद शिशुकुंज सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर में एनटीपीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह मनाया गया जिसमें निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया और स्थान प्राप्त किया। जिसमें ग्रुप ए (निबंध)में भैया अश्मित यादव प्रथम स्थान, पलक जायसवाल द्वितीय स्थान, अंशिका मौर्या तृतीय स्थान प्राप्त किया। ग्रुप बी(निबंध) में शिवम यादव प्रथम स्थान, आकृति विश्वकर्मा द्वितीय स्थान, रिमझिम मिश्रा तृतीय स्थान प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में साक्षी यादव प्रथम स्थान, अनन्या द्वितीय स्थान, आकृति गुप्ता तृतीय स्थान प्राप्त किया। समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमान अमित कुमार जी (वरिष्ठ प्रबंधक सिविल एनटीपीसी टांडा अंबेडकर नगर मौजूद रहे) इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रीमान काली प्रसाद मिश्रा जी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया एवं प्रतियोगिता में बढ़–चढ़कर के हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य श्री सुधीर कुमार पांडेय जी ने किया।

बहराइच संकुल

शपथ ग्रहण कार्यक्रम सम्पन्न

राम नारायण मदेशिया सरस्वती शिशु / विद्या मंदिर नानपारा बहराइच मैं शिशु भारती, छात्र संसद तथा कन्या भारती के पदाधिकारी भैया / बहनों का शपथ ग्रहण समारोह वंदना स्थल पर संपन्न हुआ, जिसमें नानपारा नगर के वन विभाग के वन दरोगा श्रीमान सत्यजीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पूरे समय मंचासीन रहे। जे० पी० गर्ल्स इंटर कॉलेज की अध्यक्षा श्रीमती कुंता श्रीवास्तव जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इन दोनों अतिथियों को अंग वस्त्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शिशु भारती के पदाधिकारियों में अध्यक्ष– भैया अभिनव दुबे , मंत्री – प्रिया सोनी , सेनापति–पियूष सोनी, उपाध्यक्ष– अभिनव प्रताप सिंह उप मंत्री –आरूष भटनागर, सह सेनापति – सचिन जायसवाल , छात्र संसद के पदाधिकारी– राष्ट्रपति – अमित मिश्रा उपराष्ट्रपति – आयुष तिवारी प्रधानमंत्री – कुशाग्र भदौरिया, उप प्रधानमंत्री – हर्षदीप शुक्ला, प्रधान सेनापति– सौरभ तिवारी, उप सेनापति– आदेश श्रीवास्तव प्रधान न्यायाधीश – आदर्श तिवारी उप न्यायाधीश – लक्ष्य यादव कन्या भारती के पदाधिकारी गण– राष्ट्रपति –नंदिनी वर्मा, उपराष्ट्रपति –कोमल सोनी प्रधानमंत्री – महक भार्गव, उप प्रधानमंत्री– कीर्ति गुप्ता, प्रधान सेनापति –अर्पण सिंह,

उप सेनापति– खुशबू सिंह, प्रधान न्यायाधीश –माही , उप न्यायाधीश– प्रतीक्षा मिश्रा आदि सभी पदाधिकारी गणों का शपथ ग्रहण कराया गया ।

शपथ ग्रहण के बाद मुख्य अतिथि तथा अध्यक्षा जी ने आशीर्वचन प्रदान किया । आगंतुक अतिथियों में पुरातन छात्र भैया रंजन द्विवेदी, जे पी इंटर कॉलेज के प्रबंधक श्रीमान सुशील श्रीवास्तव जी ने अपने विचार व्यक्त किए विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री बालमुकुंद तिवारी ने आए हुए अतिथियों का परिचय कराया तथा विद्यालय के प्रबंधक श्रीमान ओम प्रकाश गुप्ता जी ने आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के शिशु भारती प्रमुख व मीडिया प्रभारी आचार्य श्री बैकुंठनाथ वैकुंठनाथ अवस्थी जी ने किया। सत्र 2022– 23 की बोर्ड परीक्षा में विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बहन रिया यादव, भैया रूपेश गुप्ता तथा भैया ऋषभ शर्मा को क्रमशः पुरस्कृत किया गया। इसमें बहन रिया यादव तथा भैया रूपेश गुप्ता को जिला स्तर पर क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। अंत में शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बलरामपुर संकुल

संस्कार केन्द्र का शुभारम्भ हुआ

बलरामपुर। मोहल्ला खलवा दक्षिणी में स्थित रविदास मंदिर परिसर में सरस्वती संस्कार केन्द्र का उद्घाटन हुआ। इस उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय सेवा प्रमुख श्री हरि बाबूजी का मार्गदर्शन सभी को प्राप्त हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ रघुनाथ अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के अभिभावक एवं सेवा बस्ती के सहयोगी श्री मक्खन प्रसाद जी एवं श्री विजय कुमार जी का सहयोग प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राम तीरथ यादव, श्री मदन मोहन जी, श्री रवि जी, श्री नीरज पाठक जी, पुष्पा, आकांक्षा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

अति महत्वपूर्ण तिथियां

- **माह सितम्बर–**

5	भाद्रपद कृष्ण षष्ठी	मंगलवार	डॉ0 राधाकृष्णनन जयन्ती आचार्य दिवस (कार्यक्रम)
6	भाद्रपद कृष्ण सप्तमी	बुधवार	श्री कृष्ण जन्माष्टमी (कार्यक्रम)
7	भाद्रपद कृष्ण अष्टमी	गुरूवार	श्री कृष्ण जन्माष्टमी (अवकाश)
8	भाद्रपद कृष्ण नवमी	शुक्रवार	अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (कार्यक्रम)
14	भाद्रपद अमावस्या	गुरूवार	हिन्दी दिवस (कार्यक्रम)
16	भाद्रपद शुक्ल प्रतिपदा	शनिवार	विश्व ओजोन दिवस (कार्यक्रम)
16 से 22	प्रतिपदा से भा.शु.सप्तमी	शनि–शुक्र	पर्यावरण संरक्षण सप्ताह–वृक्षारोपण, प्लास्टिक उन्मूलन, ईको ब्रिक्स निर्माण प्रतियोगिता, विश्वकर्मा जयन्ती (कार्यक्रम)
17 से 25	भाद्रपद शुक्ल द्वि. से एका.	रवि–सोम	स्वदेशी जागरण सप्ताह, स्वच्छता सप्ताह
	तृतीय सप्ताह		संकुल स्तरीय प्रतियोगितायें (विज्ञान, वैदिक गणित, संस्कृति ज्ञान एवं खेलकूद)
	चतुर्थ सप्ताह		द्वितीय मासिक परीक्षा
25	भाद्रपद शुक्ल एकादशी	सोमवार	पं0 दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती (कार्यक्रम)
26 सितम्बर	भाद्रपद शुक्ल द्वादशी	मंगल–शनि	अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं
7 अक्टूबर	से आश्विन कृष्ण अष्ट्मी		

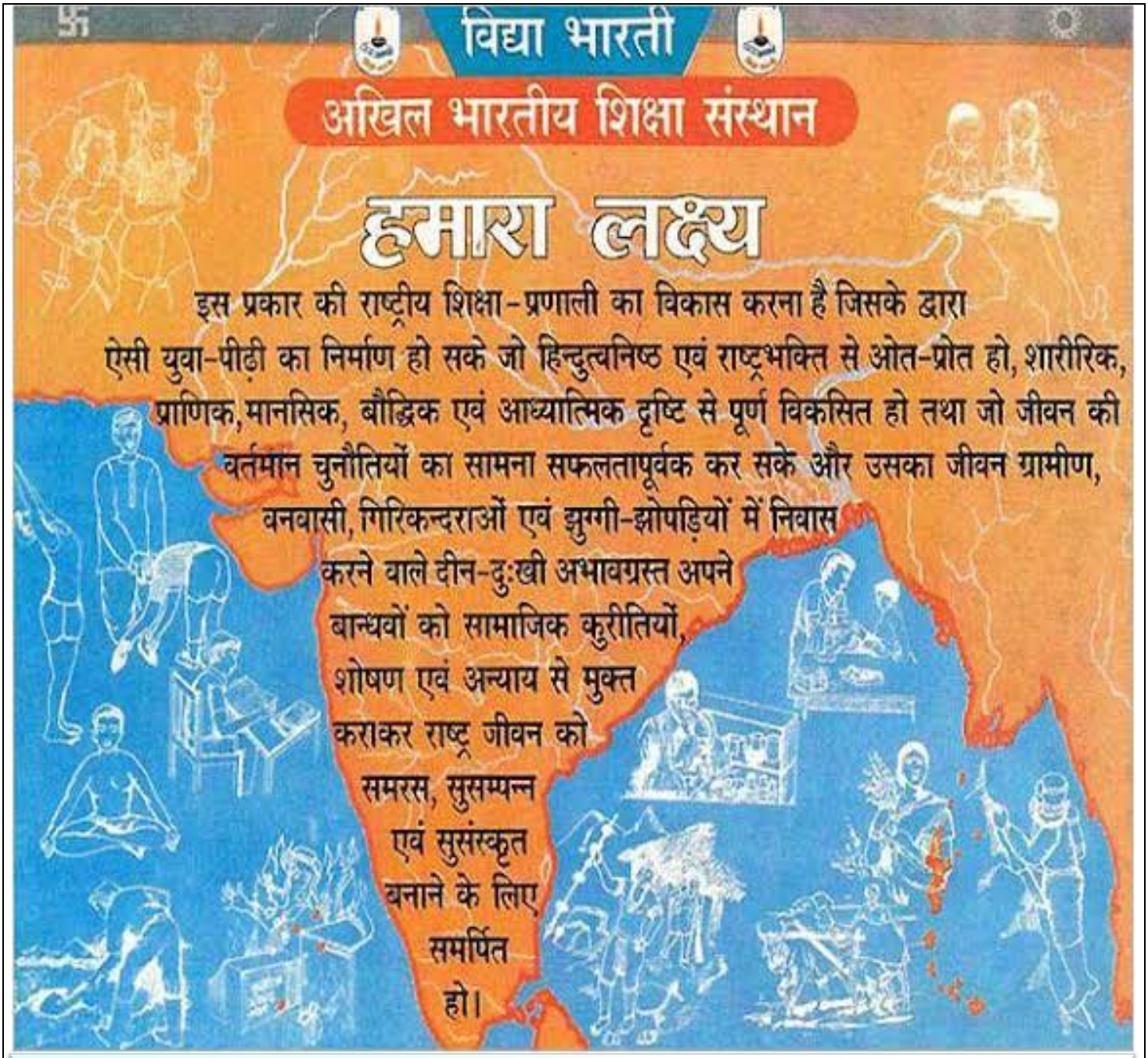

भारतीय शिक्षा समिति उत्तर प्रदेश

अवध प्रान्त